देबू चौधरी

अकादेमी पुरस्कार : हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार)

बंगलादेश के मैमनसिंह में 1935 में जन्मे श्री देबू चौधरी ने सितार वादन का प्रशिक्षण सेनिया घराने के उस्ताद मुश्ताक अली ख़ां से प्राप्त किया। आपने गायन का प्रशिक्षण सुखेन्दु गोस्वामी के अधीन कलकत्ता में ग्रहण किया।

आपने देश तथा विदेश में व्यापक रूप से सितार वादन का प्रदर्शन किया है और आपके अनेक रिकार्ड तथा ओडियो-कैसेट प्रसार में आए हैं। आपकी संगीत पर कई पुस्तकें भी प्रकाशित हुई हैं। 1960 के दशक से आप दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत संकाय में रहे हैं तथा संकाय के अध्यक्ष के पद पर आसीन रहे हैं। आपने यूरोप और अमेरिका में सितार वादन के प्रशिक्षण के साथ-साथ व्याख्यान भी दिए हैं। आपने अपने पुत्र प्रतीक चौधरी, इन्द्राणी चक्रवर्ती, शर्मिष्ठा सेन तथा विदेश के अनेक छात्रों सहित कई सफल संगीतज्ञों एवं संगीत शास्त्रियों को प्रशिक्षित किया है।

आपको पदम् भूषण से अलंकृत किया गया तथा 1992 में आपको दिल्ली सरकार का परिषद सम्मान प्राप्त हुआ।

श्री देबू चौधरी को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

अकादेमी सम्मान 1996